आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-125 कटनी ● सोमवार, 7 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -12 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

नीट यूजीके लिए जल्द शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी जल्द ही मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होने वाली नीट परीक्षा के लिए आवेदन की शुरुआत करेगी। हालांकि, अभी तक नीट की तरफ से इसे लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही इसे लेकर अहम घोषणा की जाएगी। नीट एप्लीकेशन फॉर्म 2021 और इंफॉर्मेशन ब्रॉशर जल्द ही रिलीज होगा।

कई राज्यों में 10 जून तक भारी बारिश

दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर पहुंच गया है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के मजबूत होने और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पड़ोस में निचले स्तर पर चक्रवाती तूफान के चलते अगले तीन दिनों में पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और मणिपुर जैसे राज्यों में में भारी से भारी बारिश हो सकती है।

कोरोना पर नई गाइडलाइन में कई दवाओं पर रोक

नई दिल्ली । देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर जारी है। राहत की बात ये है कि कोरोना के नए मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट जारी है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के इलाज के लिए संशोधित गाइडलाइंस जारी की है। इसमें कोरोना मरीजों के इलाज के लिए हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन समेत कई दवाओं पर रोक लगा दी है, जबकि इससे पहले जमकर ये दवाएं कोरोना मरीजों को दी जा रहीं थीं।

केंद्र सरकार की ओर से जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक, जिन मरीजों में कोरोना संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आते या हल्के लक्षण हैं, उन्हें किसी तरह की दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है। हालांकि, दूसरी बीमारियों की जो दवाएं चल रही हैं, उन्हें जारी रखना चाहिए। ऐसे मरीजों को टेली कंसल्टेशन (वीडियो के जरिए उपचार) लेना चाहिए। अच्छी डाइट लेनी चाहिए। साथ ही मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे जरूरी कोरोना नियमों का पालन करना चाहिए।

डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) ने नई गाइडलाइंस

के तहत एसिम्प्टोमेटिक मरीजों के इलाज में इस्तेमाल की जा रहीं सभी दवाओं को लिस्ट से हटा दिया है। गाइडलाइन में कहा गया है कि ऐसे संक्रमितों को दूसरे टेस्ट करवाने की जरूरत भी नहीं है। इससे पहले 27 मई को गाइडलाइन जारी की गई थी, जिसमें हल्के लक्षणों वाले मरीजों पर हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, जिंक और मल्टीविटामिन के इस्तेमाल की मनाही की गई थी। इसके अलावा एसिम्प्टोमेटिक मरीजों के लिए सीटी स्कैन जैसे गैर जरूरी टेस्ट लिखने से भी मना किया गया था। नई गाइडलाइंस में कोरोना मरीजों और उनके परिजनों को एक-दूसरे से फोन या वीडियो कॉल के जरिये जुड़े रहने और सकारात्मक बातें करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी तरीके की परेशानी अथवा बीमारी के लक्षण महसूस करने पर डॉक्टर से सलाह लें, सके बाद ही दवाएं लें। बता दें कि देश में सोमवार को कोरोना के 1 लाख 1 हजार 159 मामले सामने आए। यह आंकड़ा पिछले 62 दिनों में सबसे कम है। इससे पहले 5 अप्रैल को 96,563 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। पिछले 24 घंटे में संक्रमण की वजह से 2,444 लोगों की मौत हुई है।

वन क्षेत्र खाली कराने 10 हजार मकानों पर चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फरीदाबाद निगम को लक्कड़पुर-खोरी गांव के वन-क्षेत्र में स्थित तमाम घरों को छह हफ्ते के भीतर ढहाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि हर हालत में वन-क्षेत्र खाली होना चाहिए और इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। वन-क्षेत्र में करीब 10 हजार घर बने हुए हैं। जस्टिस ए एम खानविलकर और जस्टिस दिनेश महेश्वरी की पीठ ने फरीदाबाद निगम को छह हफ्ते के भीतर किसी भी हालत में वन-क्षेत्र में बने मकानों को ढहाने का आदेश दिया है। पीठ ने हरियाणा सरकार को निगम कर्मियों की सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम करने के लिए कहा है। अदालत ने कहा है कि छह महीने के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश किया जाए, इसके बाद हम अनुपालन रिपोर्ट की सत्यता जांच करेंगे। आदेश का पालन नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

फटाफट खबरें

भिंडरावाले को शहीद बताने पर बुरे फंसे भज्जी

नई दिल्ली । भारत टीम के स्टार ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह एक बार फिर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका एक बयान ट्विटर पर ट्रोल कर रहा है। दरअसल उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगांठ पर स्वर्ण मंदिर के अंदर मारे गए जरनैल सिंह भिंडरावाले को श्रद्धांजलि दी और उन्हें शहीद कहने का संकेत दे दिया। फिर क्या था यूजर्स ने उनकी इस टिप्पणी की आलोचना शुरू कर दी। हालांकि उन्होंने इस दौरान भिंडरावाले का नाम नहीं लिया। उन्होंने इंस्टा पर जनरैल सिंह की तस्वीर को प्रमुखता से दिखाया है। इसको लेकर लोगों ने जमकर ट्रोल किया है। लोगों ने उनसे बयान वापस लेने की मांग की है।

चुरा लिया है तुमने.. गाकर ट्रोल हुईं शनमुख प्रिया

मुंबई। सोनी टीवी का शो इंडियन आइडल 12 इस बार भी बेहद खास है शो की कंटेस्टेंट शनमुख प्रिया के साथ हुआ। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया और लोगों ने उन्हें शो से निकालने की बात भी कह डाली। शनमुख प्रिया बहुत अच्छा गाती हैं और उनकी आवाज लोगों को काफी पसंद है। एक एपिसोड में शनमुख प्रिया ने गाना चुरा लिया है तुमने जो दिल को गाया था। इस गाने को गायिका आशा भोसले ने गाया था। शनमुख प्रिया ने जब ये गाना गाया तो उनके गाने का अंदाज लोगों को पसंद नहीं आया। नाराज लोगों ने जमकर क्लास लगा दी।

'साराभाई वर्सेस साराभाई' की अभिनेत्री तरला जोशी का निधन

मुंबई। 'साराभाई वर्सेस साराभाई', 'एक हजारों में मेरी बहना है' समेत कई सीरियल्स में काम कर चुकीं टीवी अभिनेत्री तरला जोशी का निधन हो गया है। उन्होंने बीते रविवार को अंतिम सांस ली। अभिनेत्री निया शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए उनके निधन की जानकारी दी।

रात दो बजे मंत्री से मुलाकात फिर जूडा की हड़ताल समाप्त

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल समेत प्रदेश के छह मेडिकल कॉलेजों में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म हो गई है। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात दो बजे मंत्री से मुलाकात के बाद जूडा ने हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया है। हालांकि, जूडा की 24 फीसद तक तक मानदेय बढ़ाने की मांग को सरकार ने नहीं माना है। जूडा ने कहा है कि हाईकोर्ट के निर्देश के सम्मान में हड़ताल खत्म की है। जूडा के स्टेट प्रेसीडेंट डॉ. अरविंद मीणा ने हड़ताल खत्म करने की पुष्टि की है।

6 मांगों को लेकर जूडा 31 मई से आंदोलन कर रहा था।

प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपपुर, रीवा और सागर में जूनियर डॉक्टर हैं जहां हड़ताल चल रही थी। जूडा की सबसे बड़ी मांग मानदेय में 24 फीसद तक बढ़ोतरी थी। सरकार ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर 17 फीसद तक बढ़ोतरी की मांग मानी है। इस मुद्दे पर जूडा और सरकार के बीच सहमति नहीं बन पा रही थी। शुक्रवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने जूडा को 24 घंटे के भीतर हड़ताल खत्म करने को कहा था, लेकिन जूडा ने सामूहिक इस्तीफा देकर हड़ताल जारी रखी थी।

यह थीं मांगें

मानदेय में 24 फीसद बढ़ोतरी कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए क्रमशः 55 हजार से बढ़ाकर 68200, 57 हजार से बढ़ाकर, 70680 ओर 59 हजार से बढ़ाकर 73160 किया जाए। मानदेय में हर साल छह फीसद इंक्रीमेंट लगाया जाए। कोविड ड्यूटी को अनिवार्य ग्रामीण सेवा माना जाए। अभी सिर्फ उन्हीं डॉक्टरों की कोरोना ड्यूटी को इसमें शामिल किया गया है जो कोर्स पूरा होने के बाद ड्यूटी कर रहे हैं। जूडा व उनके स्वजन के इलाज के लिए अस्पताल में विशेष व्यवस्था की जाए। जूडा पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया था। इसके बाद संबंधित कॉलेजों के डीन ने सीट छोड़ने के लिए तय बांड राशि जमा कर विधिवत इस्तीफा देने को कहा था। जूडा पदाधिकारियों को छात्रावास खाली करने का नोटिस जारी किया गया था। ग्वालियर में जूडा पदाधिकारियों को बर्खास्त किया गया था।

देश में मिला कोरोना का एक और वेरिएंट

पुणे। भारत में कोरोना संक्रमण का नया वेरिएंट मिला है। इसे B.1.1.28.2 नाम दिया गया है। पुणे स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ विरोलॉजी ने इसका पता लगाया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना के इस वेरिएंट से मरीज का वजन तेजी से कम होता है। यह फेफड़ों के लिए ज्यादा घातक साबित होता है। वायरस का यह नया वैरिएंट भारत में पाए गए डेल्डा वैरिएंट की ही तरह गंभीर है। इस बीच, एक अन्य अहम घटनाक्रम के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के इलाज की नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें तीन दवाओं को इलाज से बाहर कर दिया गया है। इनमें हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन भी शामिल है। बिना लक्षण वाले और हल्के मामलों के लिए एंटीपीयरेटिक (बुखार के लिए) और एंटीट्यूसिव (ठंड लगने पर) को छोड़कर बाकी सभी दवाओं को हटा दिया गया है। नई गाइडलाइन में मास्क, हाथों की साफ-सफाई और फिजिकल डिस्टेंस के पालन करने के साथ मरीजों को बॉडी हाइड्रेशन के साथ स्वस्थ और संतुलित खानपान की सलाह दी गई है।

महाराष्ट्र में मृतकों का आंकड़ा एक लाख पार

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के चलते मरने वालों की संख्या एक लाख को पार कर गई है। बीते 24 घंटे में 681 मौतों के साथ ही राज्य में अब तक कुल 1,00,130 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य में संक्रमितों का आंकड़ा भी 58 लाख को पार कर गया है, जो फ्रांस में पाए गए कुल संक्रमितों से ज्यादा है। हालांकि, मरीजों के उबरने की दर बढ़कर 95.05 फीसद हो गई है।

नए केस की संख्या घटकर 1 लाख के करीब

बीते 24 घंटों में देश में कोरोना के नए केस घटकर 1 लाख के करीब पहुंच गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कोरोना संक्रमण के 1,00,636 नए केस दर्ज हुए हैं, जबकि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1,74,399 रही है। मौतों के आंकड़े में 2427 का इजाफा हुआ है और यह कुल संख्या बढ़कर 3,49,186 हो गया है। देश में अब तक कोरोना के 2,89,09,975 मरीज सामने आए हैं, जिनमें से 2,71,59,180 ठीक हो चुके हैं। अभी 14,01,609 एक्टिव केस हैं। इससे पहले कोरोना महामारी की दूसरी लहर में दो महीने बाद रविवार को सबसे कम नए मामले पाए गए, जबकि करीब डेढ़ महीने बाद सबसे कम मौतें भी हुईं।

एमपी में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही खबरों को मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया अफवाह

वाट्सएप यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलरों की अफवाह पर ध्यान न दें

भोपाल। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इंटरनेट मीडिया पर मध्य प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही सूचनाओं को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि वाट्सएप एक ऐसी यूनिवर्सिटी है, जिसका वाइस चांसलर बनने के लिए किसी योग्यता की आवश्यक्ता नहीं होती। और इसलिए ये जो झूठी सूचनाएं हैं, जो भ्रामक और असत्स सूचनाएं हैं, मेरी प्रार्थना है इन पर ध्यान न दें। भाजपा पूरी तरह से सीएम शिवराज सिंह चौहान

और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में एक है, संगठित है। शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, वे अभी सीएम हैं और रहेंगे। इसलिए इस तरह इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही अटकों को कोई आधार ना बनाएं। आपको बता दें कि मध्यप्रदेश में पिछले तीन चार दिनों से यह खबर वायरल हो रही है कि प्रदेश में सीएम बदलने वाले हैं साथ ही बीडी शर्मा मुख्यमंत्री बन सकते हैं आदि, आदि।

विजयवर्गीय बोले- ये सामान्य मेल-मुलाकात

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भी इंटरनेट मीडिया पर चल रही अटकलों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि ये सामान्य मेल-मुलाकात है। आजकल कोविड के दौर में कम काम हैं तो लोगों के साथ संबंध मधुर कर रहे हैं, मैं नहीं मानता इसको राजनीति रंग देना ठीक है। सीएम शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही मध्य प्रदेश चलेगा। जब उनसे पूछा गया कि आपका भी इसमें नाम आ रहा है तो कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मैं अभी किसी और काम में लगा हुआ हूं।

ब्लैक फंगस का 100 गुना तक सस्ता हो सकता है इलाज, डाक्टरों ने निकाला तरीका

नई दिल्ली। कुछ डॉक्टर ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए एक राहत की खबर लेकर आए हैं। डॉक्टरों ने ब्लैक फंगस के इलाज का कुछ ऐसा तरीका निकाला है, जिससे इसका खर्च 100 गुना तक सस्ता हो सकता है, यानी कि एक दिन में लगने वाले 35,000 रुपये का खर्च 350 रुपये तक आ सकता है। डॉक्टरों ने इलाज का जो तरीका निकाला है, उसमें सावधानी से मरीज के ब्लड क्रिएटिनिन लेवल की निगरानी करनी है, जिसके बाद खर्चा काफी कम हो जाएगा। ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन का नाम एम्फोटेरेसिन है। ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस इंजेक्शन की कमी बाजार में देखने को मिल रही है। ऐसे में डॉक्टर दूसरे तरीके से इलाज करने की तैयारी में हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरीके के तहत जरूरी है कि दूसरे दिन मरीज का ब्लड टेस्ट हो। पुणे बीजे मेडिकल कॉलेज के ईएनटी हेड समीर जोशी का कहना है कि कोरोना के बाद ब्लैक फंगस से पीड़ित 201 मरीजों का इलाज किया है। इनमें से 85 फीसदी मरीज कंवेशनल एम्फोटेरेसिन और सर्जरी के बाद ठीक हुए हैं।

पाकिस्तान में दो ट्रेनों की टक्कर, 30 की मौत

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान में सोमवार तड़के एक भीषण रेल हादसा हो गया। सिंध प्रांत के डहारकी में दो ट्रेनों के बीच टक्कर हो गई, जिससे 30 से ज्यादा लोगों की जान चली गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटाकी जिले के डहारकी में सोमवार तड़के करीब 3:45 बजे मिल्लत एक्सप्रेस और सर सैय्यद एक्सप्रेस की आपस में टक्कर हो गई। इससे मिल्लत एक्सप्रेस के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। मिली सूचना के मुताबिक, अब तक 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 50 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। घायलों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। घोटाकी जिले के डिप्टी कमिश्नर ने मौतों की पुष्टि की है। मिल्लत एक्सप्रेस की कई बोगियां अनियंत्रित होकर दूसरी ट्रैक पर जा गिरीं और सामने से आ रही सर सैयद एक्सप्रेस उससे टकरा गई। इस कारण मिल्लत एक्सप्रेस की 8 और सर सैयद एक्सप्रेस की इंजन समेत चार बोगियों ट्रैक से उतर गईं। मिल्लत एक्सप्रेस कराची से सरगोधा और सर सैयद एक्सप्रेस रावलपिंडी से कराची जा रही थी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घोटाकी जिले के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हादसे में 13 से 14 बोगियां पलट गई हैं। इनमें से 6 से 8 को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कई लोग अभी भी बोगियों में फंसे हुए हैं और उन्हें निकालने में काफी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

पीएम मोदी शाम 5 बजे करेंगे राष्ट्र को संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम 5 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। पीएमओ इंडिया के ट्विटर हैंडल से यह जानकारी दी गई है। इसके साथ ही अटकलों का दौर शुरू हो गया है कि पीएम मोदी क्या खास कहेंगे? माना जा रहा है कि यह संबोधन कोरोना महामारी, अनलॉक की प्रक्रिया के साथ ही टीकाकरण पर बोल सकते हैं। यह अटकल भी लगाई जा रही है कि पीएम मोदी गरीबों और अन्य वर्गों के लिए राहत पैकेज का ऐलान कर सकते हैं। राज्यों में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में पीएम मोदी कह सकते हैं कि कोरोना महामारी खत्म नहीं हुई है। वहीं इस महीने कोरोना वैक्सीन की बड़ी खेप देश को मिलना है।

आज से फिर पटरी पर देश की राजधानी

नई दिल्ली। राजधानी में आज से मॉल, बाजार समेत सभी कार्यालय भी खुल रहे हैं। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो भी पटरी पर दौड़नी शुरू हो चुकी है। ऐसे में यह भी जरूरी है कि लोग कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करें। इसके लिए दिल्ली पुलिस और सभी जिला प्रशासन ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में अतिरिक्त टीमें तैनात की हैं, जो संक्रमण से बचाव के नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करेंगी। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि बाजार मॉल और शराब की दुकानों के आसपास काफी लोगों की भीड़ आती है। ऐसे में यह स्थान कोरोना के सुपर स्प्रेडर बन सकते हैं। लोग

कोविड से बचाव के नियमों का पालन करें। इसके लिए इन सभी जगह पर दिल्ली पुलिस और सिविल डिफेंस की अतिरिक्त टीमें तैनात की गई हैं। यह टीम लोगों पर नजर रखेगी, जो भी व्यक्ति भीड़ से बचाव के नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के साथ ही उत्तर प्रदेश के नोएडा में आज से 50 प्रतिशत यात्रियों के साथ मेट्रो फिर से चलनी शुरू हो गई है। इस पर एक यात्री ने बताया, %मेट्रो के शुरू होने से ड्यूटी करने वाले लोगों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी क्योंकि टैक्सी में 300 रुपये लगते हैं और मेट्रो में सिर्फ 40 रुपये।

स्पीड पोस्ट से कराएं अस्थि विसर्जन वेबकास्ट से लाइव देंखें

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के दौर में नहीं रहे लोगों के परिजनों के लिए डाक विभाग ने नई पहल की है। संस्था ओम दिव्य दर्शन के सहयोग से डाक विभाग की ओर से की गई पहल के तहत आप अपने परिजनों की अस्थियां स्पीड पोस्ट से वाराणसी, प्रयागराज, हरिद्वार और गया भेज सकते हैं। वहां संस्था के प्रतिनिधियों की ओर से विधिवत अस्थिविसर्जन सहित श्राद्ध आदि कर्मकांड कराए जाएंगे।कोरोना संक्रमण के दौर में अनेक लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया और विधिवत उनका अंतिम संस्कार भी नहीं हो सका। सनातन धर्म में पवित्र नदियों में अस्थि विसर्जन की परंपरा है। इसी के मद्देनजर की गई पहल के तहत देश के किसी भी कोने से अस्थियां डाकघरों से स्पीड पोस्ट के माध्यम से उक्त जगहों पर भेजी जा सकेंगी। इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए इच्छित व्यक्ति को ओम दिव्य दर्शन संस्था के पोर्टल htpp://omdivyadarshan.org पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसके बाद उक्त व्यक्ति की ओर से

डाकघर के माध्यम से अस्थियों का पैकेट स्पीड पोस्ट से भेजा जाएगा। अच्छी तरह से पैक अस्थि पैकेट पर मोटे अक्षरों में 'ओम दिव्य दर्शन' लिखा होना चाहिए ताकि इसे अलग से पहचाना जा सके। पैकेट पर भेजने वाले का पूरा नाम, पता, मोबाइल नंबर भी लिखना होगा। स्पीड पोस्ट का शुल्क भेजने वाले से ही लिया जाएगा। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव के मुताबिक स्पीड पोस्ट बुक करने के बाद भेजने वाले को ओम दिव्य दर्शन संस्था के पोर्टल पर स्पीड पोस्ट बार कोड नंबर सहित बुकिंग डिटेल्स अपडेट करना होगा। डाकघर में पैकेट प्राप्त होने के बाद उसे ओम दिव्य दर्शन के पते पर भेज दिया जायेगा। इसके बाद संस्था पुरोहितों के माध्यम से विधिवत अस्थि विसर्जन एवं श्राद्ध संस्कार आदि कराएगी। इसे वेबकास्ट के माध्यम से मृतक के परिजन देख भी सकेंगे। सभी संस्कारों के बाद संस्था की ओर से मृतक के परिजनों को डाकघर की ओर से एक बोतल गंगाजल भी भेजा जाएगा।

अक्टूबर तक मझगवां रेल फाटक फ्लाईओवर व नवंबर तक बन सकता है कटनी नदी पुल

मिशन चौक फ्लाइओवर में 6 करोड़ के प्रस्ताव को स्टेट फाइनेंस कमेटी की मंजूरी का इंतजार

कोविड के कारण जिंदगी के साथ थम गई थी विकास की रफ्तार, अनलॉक होते ही शुरू हुए विकास कार्य

कटनी। वैश्विक महामारी के कारण न सिर्फ लोगों की जिंदगी थम सी गई थी बल्कि विकास कार्य भी ठप हो गए थे। अब अनलॉक होते ही काम शुरू हो गए हैं, जिससे शहर व जिलेवासियों के लिए राहतभरी खबर है। शहर के तीन बड़े विकास कार्य जो शहरवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। कटनी नदी पुल, मिशन चौक फ्लाइओवर व मगझवां रेलवे क्रॉसिंग में फ्लाइवओवर का निर्माण चल रहा है। इन तीनों बड़े निर्माण कार्यों से लोगों को बड़ी यातायात समस्या से निजात मिलेगी। हालांकि कुछ काम ऐसे हैं जिसे 10 साल पहले बन जाना था वह अबतक नहीं बना। हम बात कर रहे हैं कटनी नदी में 2008 से बन रहे पुल का। ठेकेदार रामसज्जन शुक्ला द्वारा पुल का निर्माण कराया जा रहा है। घटिया निर्माण के चलते 2019 इसका पहला स्लैब बनते ही टूट गया था तथा बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया था। सेतु निगम व ठेकेदार को इसे तुड़वाने में एक साल का वक्त लग गया। टूटने के बाद ठेकेदार ने काम शुरू किया लेकिन अभी तक 13 साल में सिर्फ एक स्लैब ही बन पाया है। हालांकि एक स्लैब बनकर तैयार हो गया है। अब बारिश के बाद दूसरा स्लैब बनेगा। नदी में पानी आ जाएगा, दुर्घटना न हो इसका कारण सेतु निगम द्वारा यह निर्णय लिया गया है। सेतु निगम के अफसरों का दाबा है कि 15 नवंबर तक बनकर तैयार होगा। ठेकेदार द्वारा ही इसे बनाकर देना है, विभाग इसमें दोबारा कोई राशि खर्च नहीं कर रहा।

मंथर गति से चल रहा मझगवां रेल फ्लाई ओवर का कार्य

कटनी-बीना रेलखंड में दमोह रोड पर मझगवां रेलवे क्रॉसिंग में भी फ्लाइओवर का निर्माण सेतु निगम द्वारा कराया जा रहा है। यह निर्माण कार्य अबतक पूरा हो जाना था लेकिन कोविड व ठेकेदार की बेपरवाही के कारण धीमा चल रहा है। सेतु निगम के अफसरों के अनुसार अब यह निर्माण कार्य अक्टूबर तक पूरा हो पाएगा। गौरतलब है कि 20 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा। इसे प्रांजल कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाया जा रहा है। यहां पर फ्लाइओवर बनने से न सिर्फ जिलेवासियों को बल्कि कई जिले के लागों को बड़ी राहत मिलेगी।

मिशन चौक फ्लाई ओवर में बचा रेलवे के हिस्से का काम

शहर की सबसे ज्वलंत यातायात समस्या मिशन चौक सागर पुलिया में है। यहां पर हर दिन जाम से लोगों को परेशान होना पड़ता है। वहीं अंडर ब्रिज में बारिश के दिनों में पानी भरने से भी आवागमन बाधित हो रहा है। सेतु निगम द्वारा 70 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाइओवर बनवाया जा रहा है, जिसे ठेकेदार नरेंद्र मिश्रा द्वारा बनाया जा रहा है। यह काम बहुत तेजी से चला है। कोविड के कारण काम बंद था, अब शेष काम रेलवे पोर्सन का बचा है। इसमें राशि का अभाव आड़े आ गया है। 6 करोड़ रुपये शासन को भेजा गया है। स्टेट फॉइनेंस कमेटी की मंजूरी मिलते ही काम में तेजी आएगी।

इनका कहना है

कटनी नदी पुल में बारिश के कारण फिर कोई दुर्घटना न हो, इस कारण पहले स्लैब के बाद काम बंद करा दिया जाएगा, बारिश के बाद काम शुरू होगा। मिशन चौक फ्लाइओवर में फिर से 6 करोड़ रुपये का प्रस्ताव गया है, जैसे ही पास होता है काम शुरू हो जाएगा। मझगवां फाटक फ्लाइओवर का काम भी चल रहा है, अक्टूबर में बनकर तैयार हो जाएगा।

नरेंद्र शर्मा, कार्यपालन यंत्री, सेतु निगम

चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

कोरोना से बचाओ एवं टीकाकरण अभियान का दिया संदेश

कटनी। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 10 दिवसीय ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसका विषय कोरोना से बचाओ एवं टीकाकरण अभियान था। चित्रकला के माध्यम से सोशल मीडिया में जन जन को जागरूक करना था। इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण जिले से स्वयंसेवको ने सहभगिता की जिसका पुरस्कार विरतण समारोह का आयोजन भी ऑनलाइन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ आर के विजय राज्य एन एस एस अधिकारी मप्र शासन भोपाल विशिष्ठ अतिथि डॉ अशोक कुमार मराठे कार्यक्रम समन्वयक रादुविवि जबलपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सुधीर कुमार खरे प्राचार्य शासकीय तिलक महाविद्यालय ने की कार्यक्रम में स्वागत जिलासंगठक डॉ आर पी सिंह ने किया और स्वागत गीत कुमारी कनक सोनी ने गाया। कार्यक्रम का संचालन निखिल अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ आर के विजय द्वारा उद्बोधन में कहा गया कि भारत सरकार द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में कटनी जिले के कार्यो की विशेष चर्चा हुई और जिले की रासेयो के कार्य प्रेरणीय और सराहनीय है। वही डॉ मराठे ने समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी उसके बाद पुरस्कार एवं प्रसस्ति वितरण प्रारंभ हुआ जिसमें प्रथम पुरस्कार आबिद रज़ा बड़वारा महाविद्यालय द्वितीय स्थान विनीता तिवारी बरही महाविद्यालय तृतीय स्थान संध्या पटेल बरही महाविद्यालय एवं नीलम यादव, पुष्पा यादव और अदिति तिवारी को सांत्वना स्थान प्राप्त हुआ। समस्त प्रतिभागियों को प्रसस्ति पत्र प्रदान किये गए। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ सुधीर खरे ने सब प्रतिभागियों को बधाई दी और कहां हम इस वैश्विक महामारी से लड़ने हेतु तैयार है, जहां आवश्यकता होगी हम ओर स्वयंसेवक सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ माधुरी गर्ग, सुश्री अभिलाषा चौरसिया, ओ पी सोनी, रजनीश कुशवाहा, एल पी बागरी, पवन महलवंशी, सुश्री प्रियंका तोमर, राजेश पटेल, सतीश तिवारी एवं पूरे जिले के स्वयंसेवक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आभार प्रखर कस्तवार ने किया।

30 हजार वृक्ष रोपकर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देगा नगर निगम

कटनी। शुद्ध स्वास्थ्य और सुरक्षित पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। नगर मे पर्यावरण को बढावा देनें के उद्धेश्य से निगम प्रशासन इस वर्ष गत वर्ष की तुलना में दो गुना वृक्षारोपण करनें का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रभारी कार्यपालन यंत्री राकेश शर्मा नें जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा विगत वर्ष नगर के विभिन्न स्थलों में 15 हजार वृक्षारोपण किये गए थे। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिह धाकरे के निर्देशन में इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए नगर में वृहत अभियान चलाकर विशेष तकनीक से 30 हजार वृक्षारोपण किये जानें का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विश्व पर्यावरण के दिवस के अवसर पर नगर के विभिन्न स्थलों में ट्रासपोर्ट नगर पुरैनी में तालाब के पास स्थानीय कटनी मुडवारा विधायक श्री संदीप जायसवाल द्वारा निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे सहित निगम के अन्य अधिकारियों कर्मचारियों के सथ मिलकर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावारण दिवस के अवसर पर निवर्तमान महापौर श्री शशांक श्रीवास्तव द्वारा भी टांसपोर्टनगर नगर में वृक्षारोपण किया गया। नगर के अन्य स्थलों अमीरगंज, भास्कर ढावा से कटनी नगर की ओर आनें वाले मार्ग के किनारे भी वृक्षारोपण का कार्य किया गया जाकर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर लगभग 200 वृक्षारोपण निगम प्रशासन द्वारा कराया गया।

भारत के केंद्र बिंदु करौंदी में हुआ सघन वृक्षारोपण

वर्तमान परिदृश्य में कोविड-महामारी के दूसरी लहर के दौरान हम सभी ने देखा कि किस तरह से ऑक्सीजन की कमी चारों और रही। ऑक्सीजन के प्राकृतिक निर्माता के रूप में और प्रकृति के तापमान को नियंत्रित रखने में वृक्षों की बहुत बड़ी भूमिका है। बाल्यावस्था से लेकर के युवा वर्ग और वृद्धावस्था तक प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में न्यूनतम 10 वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिए। भविष्य में किसी भी तरह के प्राकृतिक असंतुलन को रोकने के लिए हम सभी को पौधारोपण के साथ-साथ उनकी जीवन भर रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उक्तउद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सतना विभाग के विभाग प्रचारक संजय तिवारी ने भारत के केंद्र बिंदु पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तत्वाधान में आयोजित 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पूरे देश भर के प्राकृतिक रूप से संरक्षित कई स्थानों पर आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के माध्यम से पौधारोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रंखला में भारत के केंद्र बिंदु करौंदी में एवं गर्रा घाट, ढीमरखेड़ा में फलदार एवं औषधीय वृक्षों का पौधारोपण किया गया और प्रकृति पूजन के माध्यम से उपस्थित समस्त जनों को प्रकृति के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इसमें स्व अनिल माधव दवे की स्मृति में भी सामाजिक बंधुओं द्वारा पौधारोपण किया गया। उक्त अवसर पर संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, पद्मेश गौतम, प्रशांत रॉय, गोविंद सिंह, राजेश चौरसिया, राकेश त्रिपाठी, राजेश व्योहार, कालूराम चौरसिया, अजय माली, सुशील दुबे, महर्षि संस्थान से अरविंद सिंह, मुकेश सक्सेना एवं पत्रकार बंधु, समाजसेवी तथा पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कोविड-अनुशासन का पूर्णता पालन करते हुए वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अटल बिहारी वाजपेयी, जिला संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जिला कटनी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन राकेश त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

जागृति पार्क में ओबीजी सोसायटी ने रोपे पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जागृति पार्क में कटनी ओबीजी सोसायटी द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर कटनी ओबीजी सोसायटी की अध्यक्ष डॉ उमा निगम, डॉ वंदना गुप्ता, डॉ पूनम बजाज, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ हर्ष बत्रा, एलएमए ने भी पार्क में पेड़ लगाए। इस मौके पर डॉ हरचंदानी, डॉ अमित साहू, डॉ अनिल वाटवे, डॉ एल एन खंडेलवाल, डॉ हरीश बजाज अध्यक्ष आईएमए, डॉ झमनानी, डॉ कर्ण आदि ने फलदार पौधे रोपते हुए हरियाली का संदेश दिया।

वैदिक मन्त्रोच्चारण के बीच वृक्षारोपण

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वेद विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय प्रभारी प्रो उमाशंकर तिवारी की अध्यक्षता में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रभारी प्रो उमाशंकर तिवारी ने कहा कि पर्यावरणीय संसाधनों के लगातार दोहन करने से तापमान और प्रदूषण बढ़ रहा है, इससे पृथ्वी पर रह रहे सभी जीवों के लिये खतरा बना हुआ है। आज हम सभी जिस प्राकृतिक विभीषिका से सन्त्रस्त हैं, इसमें पर्यावरण दोहन मूल कारण बना हुआ है। वस्तुतः मानव जीवन का प्रकृति से गहरा सम्बन्ध रहा है। प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण हम सब की जिम्मेदारी है। यदि हम आज पर्यावरण को संरक्षित करेंगें तो कल पर्यावरण हमें प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित करने में सहयोग करेगा। हमारा कर्तव्य है कि हम पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को अपनायें, वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलायें, पेड़ पौधे लगायें तथा पानी एवं विद्युत के उपयोग में मितव्ययिता अपनायें। अपनी ऊर्जा और पानी के कुशल उपयोग, अपशिष्ट उत्पादन तथा प्रदूषण को कम करने हेतु सतत प्रयत्न शील रहें। हम अपने छोटे.छोटे प्रयासों से पर्यावरण के प्रति अहम योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों के सहित शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

पौधा लगाकर सुरक्षा का लें संकल्प

कटनी। विश्व पर्यावरण दिवस पर मिशन कटनी ग्रीन ग्रुप के सदस्य सुनीता चतुर्वेदी, दीक्षा द्विवेदी, निजर कुजूर, किरण कुजूर के साथ छोटे बच्चों ने पार्क में पीपल, नीम, आंवला, आम के लगभग 100 पेड़ लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया। वृक्षारोपण के दौरान सुनीता चतुर्वेदी ने कहा कि हर एक नागरिक कम से कम एक एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे अपने परिवार के हिस्से की तरह रखे एवं उसकी देखभाल भी निरंतर रूप से करते रहे उन्होंने कहा वृक्ष हमारे जीवन का आधार है और प्रकृति का सिंगार है कृपया इसे बनाए रखें, वहीं दीक्षा द्विवेदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पार्क में वृक्षारोपण के दौरान कहा की वृक्ष लगाकर हम इस प्रकृति को सुंदर बनाएं और 1-1 पौधा लगाकर उनकी अपने बच्चों की तरह देखभाल कर वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें क्योंकि पेड़ एकमात्र वह साधन है, जो हमें पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन देते हैं और इस वातावरण को स्वच्छ बनाने का काम करते हैं आर इस वातावरण को दूषित होने से रोकते हैं, इसलिए कोरोना की इस लड़ाई में इससे जीतने के लिए पेड़ लगाना अति आवश्यक है।

श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
आदर्श कॉलोनी, मेन रोड, नई बस्ती, कटनी 483501 (म.प्र.)
फोन : 07622-408444, 409444 मोबा. 8982275111, 8982275222, 8982275333

प्रतिदिन उपलब्ध
डॉ. बलदेव सिंह
MD (GENERAL MEDICINE) फैमली फिजीशियन
पूर्व चिकित्सक अपोलो हॉस्पिटल
हृदय, छाती, गुर्दा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ

प्रतिदिन उपलब्ध
डॉ. गगन सोनी
BDS डेंटल सर्जन
कटनी के सुप्रसिद्ध
दंत एवं मुख रोग विशेषज्ञ

डॉ. अनुराग खरे | डॉ. कनिका अग्रवाल | डॉ. आकिर हुसैन | डॉ. अनिमेष गुप्ता

उपलब्ध विभाग
हेल्पलाईन नं. 8982275111
उपलब्ध सुविधायें

- मेडीसिन विभाग
- हृदय रोग विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति विभाग
- दंत रोग विभाग
- हड्डी रोग विभाग
- त्वचा एवं सौंदर्य विभाग
- शिशु रोग विभाग
- मस्तिष्क रोग विभाग
- ट्रामा विभाग
- कैंसर विभाग
- फिजियोथेरेपी विभाग
- प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जरी
- नार्मल डिलेवरी
- सीजेरियन डिलेवरी
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- जनरल सर्जरी
- आई.सी.यू. वार्ड
- सेमी. प्रायवेट वार्ड
- जनरल वार्ड
- मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
- हेयर ट्रांसप्लांट

सभी प्रकार की सर्जरी एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध
भर्ती मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

बिरूहली हाईस्कूल में रोपे 60 पौधे

कटनी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय हाई स्कूल बिरूहली में ओजस यूथ क्लब एवं वन विभाग के सौजन्य से 60 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी रमेश चंद्र विश्वकर्मा, एसडीओ श्री बघेल, वन परिक्षेत्र अधिकारी आर एस नागर, सहयोगी वन समिति बिरूहली, आजाद स्काऊट दल हाई स्कूल बिरूहली के साथ ही प्राचार्य मौजीलाल चक्रवर्ती, संजय गौतम, सी पी पाल, एस एस भदौरिया, शिवनारायण नायक, विजय नामदेव, राजेश पटेल के साथ ही स्काऊट दल के सदस्यों की उपस्थिति रही। सभा का संचालन लक्ष्मीकांत गर्ग स्काऊट मास्टर ने किया।

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

अशासकीय महाविद्यालय संघ रोपेगा एक लाख पौधे

कटनी। अशासकीय महाविद्यालय संघ कटनी की एक आवश्यक बैठक में महाविद्यालय संघ की वार्षिक कार्यकारिणी का गठन किया गया। संघ के संरक्षक पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय पाठक होंगे। सलाहकार मंडल में डॉ दीपक सक्सेना, डॉ पारस जैन एवं सुनील उपाध्याय शामिल किए गए हैं। सर्वसम्मति से पूर्व विधायक एवं टेवाईट बीएड कॉलेज के चेयरमैन सुकीर्ति जैन को अध्यक्ष चुना गया। महाविद्यालय कार्यकारिणी में कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राजपूत, उपाध्यक्ष डॉ जय चड्डा, महासचिव डॉ उषा पांडे, सचिव केदार बिचपुरिया, कोषाध्यक्ष डॉ मनोज खरे, संयुक्त सचिव स्वप्निल जैन, दीपक माथुर तथा मीडिया प्रभारी जिनेंद्र द्विवेदी मनोनीत किए गए। संघ की कार्यकारिणी में सभी कॉलेज के प्राचार्यों को शामिल किया गया है। महाविद्यालय संघ की प्रथम वार्षिक बैठक में विश्व पर्यावरण दिवस पर 1 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुकीर्ति जैन ने सभी शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं समाजिक संस्थाओं से अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे इस महायज्ञ में सभी लोग सम्मिलित होकर अपना योगदान करें। कोरोना जैसी महामारी को अगर हराना है तो इस पुण्य कार्य में सबकी भागीदारी जरूरी है। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ जय चड्डा ने महाविद्यालयीन समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुरेंद्र राजपूत ने और आभार प्रदर्शन डॉ उषा पांडे ने किया। बैठक के अंत में श्री श्रीनिवास सरावगी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कैलाश शर्मा की धर्मपत्नी के दुखद निधन पर एक शोकसभा का आयोजन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में लिया गया निर्णय, सुकीर्ति जैन नए अध्यक्ष

जन अभियान परिषद ने किया पौधरोपण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आव्हान पर जन अभियान परिषद के तत्वावधान में अंकुर अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। साथ ही समाज के लोगों से 1 पौधा अंकुर अभियान के तहत लगाने हेतु आव्हान किया गया। कोविड.19 जैसी महामारी जिस प्रकार से लोगों ने ऑक्सीजन की कमी के कारण अपने प्राण गवाएं हैं। भविष्य में ऐसी आपदा से बचने के लिए सभी वालंटियर ने प्रत्येक माह 1 पौधा लगाने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नंदनी वाटिया, वालंटियर ग्रुप के लीडर नवल सिंह चतुर्वेदी, प्रवीण त्रिवेदी डब्बू, रजनीश सोनी, रविशंकर रजक, विक्रम जायसवाल, साधना सिंह, अजय तिवारी, वंदना सिंह, लेखराज सेन, विकास पटेल, अंजली तिवारी, रोहित सोनी, शिवकुमार राय एवं अन्य वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

रीठी में ब्लॉकस्तरीय क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक

कटनी। रीठी विकासखण्ड की ब्लॉकस्तरीय क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक आयोजित हुई। एसडीएम बलबीर रमन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोरोना संक्रमण की रोकथाम और वेक्सीनेशन के प्रति जनजागरुकता को लेकर विमर्श किया गया। जनपद पंचायत की अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों में टीकाकरण को बढ़ाने की दिशा में निर्णय लिये गये। वहीं अनलॉक को लेकर जारी आदेश का कड़ाई से पालन कराने का निर्णय ब्लॉक क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक में लिया गया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष रीठी रोशनी चंदन सिंह और सीईओ जनपद प्रदीप सिंह सहित अन्य समिति सदस्य एवं संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रकृति का संरक्षण करना हम सभी का कर्तव्य

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान में वृक्षारोपण किया एवं पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी असंभव है। आज कोरोना संक्रमण के समय पर्यावरण संरक्षण की अधिक जरूरत है, जिसे हम वृक्षारोपण के माध्यम से पूरी कर सकते हैं। पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण करके प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। वृक्षारोपण में पूर्व विधायक श्रीमती अलका जैन, जिला उपाध्यक्ष रमेश शुक्ला, अश्वनी गौतम, पूर्व नगर अध्यक्ष रवि खरे, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष वागीश आनन्द, दीपक तिवारी, आशीष मिश्रा, सौरभ अग्रवाल, सोनू बहरे, मनीष त्रिसोलिया, अनुराग त्रिसोलिया, मोनू गुप्ता, विष्णुशंकर मिश्रा, राधेश्याम शर्मा आदि उपस्थित थे।

वैक्सीन को लेकर भ्रामक जानकारी से दूर रहें नागरिक

कटनी।

पुरानी कचहरी स्थित मुख्य टीकाकरण केंद्र में सांसद टीकाकरण सहायता केंद्र के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा टीकाकरण करवाने वाले नागरिकों की मदद लगातार तीन दिनों से की जा रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा के मार्गदर्शन में सेवा ही संगठन अभियान की कड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सेवा के कार्य जारी हैं। पुरानी कचहरी स्थित टीकाकरण केन्द्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा नागरिकों को पेयजल, बिस्किट, आदि वितरण किया जा रहा है साथ ही वैक्सिनेशन में तकनीकी रूप से आने वाली समस्याओं का निराकरण भी भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। वैक्सीन को लेकर भ्रांतियां फैली हुई हैं, लोगों में तरह-तरह के अफवाह हैं, जिस कारण वे कोरोना वैक्सीन लेने से परहेज कर रहे हैं, परंतु भारत में निर्मित वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है इसके दोनों डोज़ लेने पर ही कोरोना संक्रमण से बचाव हो सकता है इसलिए अधिक से अधिक संख्या में वैक्सिनेशन करवाएं। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, जनपद अध्यक्ष कन्हैया तिवारी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, वरिष्ठ नेता सुरेश रोचलानी, ललित गुप्ता, सिराजुद्दीन नाजू, आशुतोष शुक्ला, पप्पा मिश्रा, संतोष पटेल, अहमद बख्श, शैलेन्द्र चनपुरिया, बल्ली सोनी, सोनू बहरे, मनीष त्रिसोलिया, आशीष मिश्रा, अभिषेक शर्मा, विवेक गुप्ता, राधेश्याम शर्मा, विवेक गुप्ता, अमन पांडेय, कृष्णा मिश्रा, अमन जायसवाल आदि जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

40 फुट गहरे कुएं से सुरक्षित निकाला नंदी महाराज को

कटनी। सूचना मिलने पर उपचार केंद्र के अध्यक्ष सतीश सोनी व उनकी टीम के द्वारा दोपहर 3 बजे पन्ना मोड़ मित्तल कॉलोनी के पीछे खेत में पहुँच कर 40 फुट गहरे कुएं से नंदी महाराज को नगर निगम जेसीबी की मदद से सुरक्षित 5 बजे के लगभग निकला गया। गौसेवक अभिनव सोनी, रोमी नायक, नवनीत गुप्ता, विवेक गुप्ता, प्रियांश त्रिपाठी, एवम अन्य गौसेवकों की उपस्थित सराहनीय रही।

कर्मचारियों को डीए व वेतनवृद्धि का लाभ बहाल करने की मांग

कटनी।

मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ के प्रांतीय प्रवक्ता मार्तण्ड सिंह राजपूत द्वारा प्रेस को जारी नोट्स में बताया गया है कि प्रदेश के कर्मचारियों को जहाँ एक ओर विगत 2 वर्षों से प्रदेश सरकार द्वारा डीए का लाभ नहीं दिया गया है, वहीं दूसरी ओर वर्ष 2020 में नियम विरुद्ध तरीके से काल्पनिक वेतन वृद्धि को ढ़ाल बनाकर वास्तविक वार्षिक वेतन वृद्धि को ही शासन द्वारा रोक दिया गया।

जिसके कारण प्रदेश के कर्मचारियों में इन दिनों राज्य सरकार के प्रति जमकर आक्रोश व्याप्त है। जायज है कि विगत 2 वर्षों में महंगाई की दर इतनी बढ़ गयी है कि कर्मचारियों को अपना परिवार चलाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आज अनेकों अनेक कर्मचारी इस महंगाई के दौर में अपनी और अपने परिजनों की बीमारियों का ठीक ढ़ंग से अच्छे अस्पतालों में इलाज भी नहीं करा पा रहे हैं। जिसके चलते प्रदेश के अनेकों अनेक शिक्षकों की अकाल मृत्यु भी हो चुकी है। शिक्षकों हेतू उनके परिजनों को राहत देने हेतू अनुकंपा नियुक्ति के लिए जो नियम बनाये गये हैं, उसमें नए शिक्षकों के परिजनों को लाभ मिलना भी हिमालय की चोटी में चढ़ने जैसा कृत्य है। इसके साथ ही शिक्षकों हेतू चल रही नयी पेंशन योजना पूरी तरह से औचित्य नहीं है। शिक्षकों के मृत्यु के पश्चात इन दिनों उनके परिवार जनों को भयंकर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ की कटनी इकाई द्वारा प्रदेश शासन से मांग की गयी है कि करोना जैसा विषम काल में अपनी जान जोखिम में डालकर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कर्तव्य पालन में जुटे अधिकारी और कर्मचारियों को बगेर किसी आन्दोलन, अनशन के डीए एवं वेतन वृद्धि का लाभ तुरन्त दिया जावे, ताकि उन्हें राहत महसूस हो सके और शासन के विरुद्ध दिन प्रति दिन बढ़ रहे उनके आक्रोश को कम किया जा सके।

सफाई मित्रों ने लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

कटनी। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नगर प्रशासन द्वारा अपनी सहयोगी संस्था के माध्यम से नगर में सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कराया जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान के प्रभारी सुनील सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत निगम की सहोगी संस्था द्वारा विगत दिवस नगर के विभिन्न वार्डो में नागरिकों से संपर्क किया जाकर असुरक्षित रूप से सैप्टिक टेंक की होनें वाली सफाई की गंदगी से विभिन्न प्रकार की बीमारियों के फैलनें की संभावना बनी रहती है। सैप्टिक टेंक के कीटाणु किसी न किसी माध्यम से घरों में प्रवेश कर हमें बीमार बनाते है। हैल्पलाईन नंबर 14420 पर कॉल करने सुरक्षित टेप्टिक, सीवर की सफाई कराने हेतु जागरूक किया गया। सहयोगी संस्था द्वारा विगत दिवस नगर के विभिन्न स्थलों विश्कर्मा पार्क के सामनें, सुभाष चौक, मीट मार्केट, दुर्गा चौक बस्ती, प्रेमनगर बस्ती आदि स्थलों में नुक्कड़ नाटक के आयोजन के माध्यम से कचरे के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्रदान करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करनें तथा कोरोना संक्रमण के प्रसार से बचनें हेतु मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करनें की अपील की गई।

बस स्टेड एवं नगर के अन्य स्थलों में जुटे स्वच्छता दूत

कटनी। निगम प्रशासन द्वारा वर्षा ऋतु के पूर्व नाले-नालियों की सफाई एवं नगर की सफाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए स्वच्छता दूतों की टीम के माध्यम से नाले-नालियों की सफाई का कार्य अभियान स्वरूप कराया जा रहा है। वर्षाकाल में नगर के सार्वजनिक मार्गो में पानी भराव की समस्या का सामना न करना पड़े इस हेतु रोजाना नगर के बडे एवं छोटे नाले नालियों की सफाई का कार्य कराया जाकर उपशिष्ट के उठाव का कार्य किया जा रहा है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी नें जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में रोजाना कराये जा रहे नाले-नालियों की सफाई कार्य के तहत बस स्टेण्ड परिसर में अभियान चलाया जाकर स्वच्छता मित्रों की दलेल के माध्यम से परिसर के विभिन्न स्थलों के बडे एवं छोटे नाले-नालियों की तल्ली से सफाई का कार्य कराया गया। नगर के अन्य स्थलों जालपा देवी वार्ड मेंन रोड की नालियों की सफाई, महात्मा गांधी वार्ड स्थित गांधीगंज लाल बिल्डिंग के पास, कावसजी वार्ड भट्ठा मोहल्ला नेनसी स्कूल के सामने वाली नाली एवं मलिन वंशकार बस्ती विशाल वंशकार के सामनें वाली नाली माधवनगर आचार्य कृपलानी वार्ड अंग्रेजी शराब दुकान के बाजू वाली नाली एवं रोड एवं समदडिया कॉलोनी के नाले की सफाई सहित नगर के अन्य स्थलों के नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य कराया गया। नगर के सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख व अन्य मार्गो की सफाई व्यवस्था अन्तर्गत चिन्हित फल, सब्जी व्यवसाय स्थलों, इंदिरा नगर बस्ती की सार्वजनिक सडकों, बस स्टेण्ड परिसर के विभिन्न मार्गो, मिशन चौक, वीर सावरकर वार्ड स्थित जोवियल पब्लिक स्कूल के पास साफ सफाई एवं चूने की लाईनिंग, खिहनी मार्ग, भट्ठा मोहल्ला, सहित नगरीय एवं उपनगरीय स्थलों के विभिन्न मुख्य व अन्य मार्गो सहित नदीपार से सूर्या होटल तक बरगवां मुख्य मार्ग के डिवाइडर की सफाई का कार्य कराया गया। नगर की सफाई व्यवस्था सुचारू बनी रहे इस हेतु निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में रोजाना नगर के विभिन्न वार्डो से डोर टू डोर कचरे के संग्रहण का कार्य कराया जाकर नागरिकों को घरों से निकलनें वाले गीले एवं सूखे कचरे को पृथक पृथक डस्टबिन में रखनें एवं निगम के कचरा वाहनों में पृथक -पृथक ही देनें की अपील की जा रही है।

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

संक्रमण से बचाव हेतु मुस्तैदी से कराए जा व्यवसायिक गतिविधियों के प्रयास

कटनी। नगर निगम के गठित दल के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा नगर में सब्जी फल के थोक एवं फुटकर व्यवसाय सहित, विभिन्न मार्गो की दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं फर्मो के माध्यम से होनें वाली व्यवसायिक गतिविधियों का नियमानुसार संचालन करानें के प्रयास मुस्तैदी से किये जा रहे है। उपायुक्त अशफाक परवेज कुरैशी के निर्देशन में निगम के गठित अमले द्वारा रोजाना निर्धारित समय प्रातः 10 बजे से क्षेत्रवार एवं दिशावार दुकानों से व्यवसायिक गतिवधियों के संचालन सोशल डिस्टेंसिंग के साथ करानें के प्रयास किये जा रहे है। अनुमति के विपरीत दिशा की दुकान को खुला पाये जानें पर उन्हे बंद करानें की कार्यवाही के साथ जुर्मानें आदि की कार्यवाही व निर्धारित समयावधि शाम 6 बजे व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन बंद कराकर बाजार को बंद कराते हुए संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण लगानें की कार्यवाही की जा रही है। नगरीय क्षेत्र के सब्जी, फल के थोक व फुटकर व्यवसाय हेतु जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित 8 स्थलों से ही व्यवसाय कराकर संक्रमण के प्रसार को रोकनें हेतु निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा रोजाना नगर के विभिन्न मार्गो का निरीक्षण किया जाकर सब्जी फल विक्रेताओं को चिन्हित स्थलों से ही व्यवसाय करनें हेतु भेजने की कार्यवाही की जा रही है। चिन्हित मंडी स्थलों पर उपस्थित निगम के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा मंडी स्थल की आवश्यक व्यवस्थाओं को रोजाना पूर्ण कराकर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सब्जी फल के क्रय-विक्रय के प्रयास रोजाना किये जा रहे है। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा निगम के वाहनों के माध्यम से नगर के विभिन्न मुख्य मार्गो में शासन निर्देशों के परिपालन में रविवार को कटनी जिले में टोटल लॉकडाउन रहनें व आवश्यक सेवाओं को छोडकर शेष सभी दुकानों को बंद रहनें की मुनादी का कार्य कराया गया।

सोडियम हाईपोक्लोराईड का छिड़काव

कटनी। निगम प्रशासन द्वारा नगर की सुचारू सफाई व्यवस्था सहित कोरोना अनलॉक के दौरान संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु शासन निर्देशानुसार व्यवसायिक गतिविधियों के संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। संक्रमण के प्रसार में वृद्धि न हो इस हेतु रोजाना अभियान चलाया जाकर नगर के विभिन्न सार्वजनिक एवं रहवासी स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव कराया जाकर स्थलों को संक्रमण मुक्त रखनें के प्रयास किये जा रहे है। सेनेटाईजर प्रभारी अभिषेक बघेल एवं पंकज निगम नें जानकारी देते हुए बताया कि संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण आज चलाये गए अभियान के तहत नगर के विभिन्न स्थलों बाबू जगजीवन राम वार्ड जैन कॉलोनी गली नंबर 7 एवं 8 राम जानकी हनुमान वार्ड में रोशन नगर राशन दुकान गली, और छोटी मस्जिद गली, एन.के.जे थाना, गायत्री नगर चर्च के पास, स्टेण्ड परिसर सहित नगर के अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव किया जाकर स्थलों को विसंक्रमित करनें की कार्यवाही की गई।

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
विशेषतायें
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

चक्रवात और मानसूनी आहट से बदला मौसम का मिजाज

तेज हुईं प्री-मानसूनी गतिविधियां, तापमान में भी घट-बढ़ का दौर जारी, गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

कटनी। केरल से आगे बढ़कर मानसून मुंबई तक पहुंच गया है। इसके चलते मध्यप्रदेश सहित शहर में भी मानसून के प्रवेश करने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। वातावरण में लगातार आ रही नमी के कारण जहां उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में मप्र में दो वेदर सिस्टम बने हुए हैं। इस वजह से वातावरण में लगातार नमी बढ़ रही है। इस वजह से मानसून पूर्व की गतिविधियों में भी तेजी आने लगी है तथा बारिश की संभावना बनी हुई है। बादल छाए रहने से अधिकतम तापमान में अधिक बढ़ोतरी भी नहीं हो रही है।

चार वेदर सिस्टम की सक्रियता से बदला मौसम

मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम मप्र पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर तमिलनाडू तक एक द्रोणिका लाइन (ट्रफ) बनी हुई है। अरब सागर के गुजरात तट पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इसी तरह समुद्र तट पर गोवा और उससे लगे कर्नाटक पर भी एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इन चार वेदर सिस्टम के कारण नमी मिल रही है। इस वजह से गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना बनी हुई है।

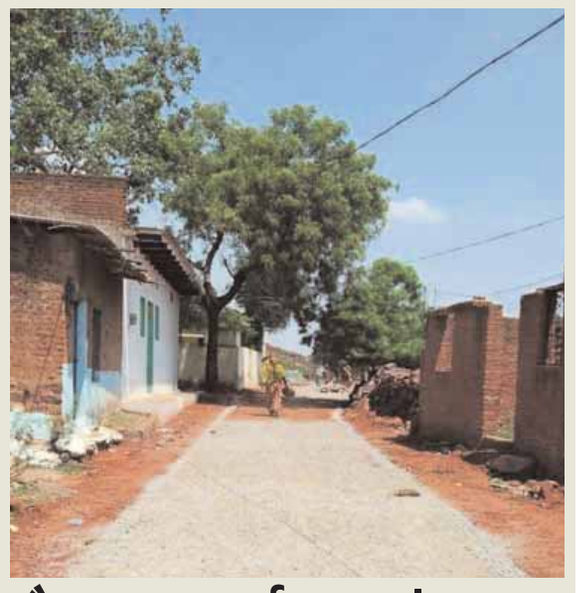

कैलवारा खुर्द ग्राम पंचायत में किया जा रहा निर्माण कार्य

कटनी। सरस्वती स्कूल से प्राथमिक शाला पहुंच मार्ग 50 वर्षों से जर्जर था जिसका निर्माण सरपंच माधुरी भूषण पाठक के प्रयासों से किया गया। कैलवारा खुर्द ग्राम पंचायत में पहाड़ के बीच से अवैध कब्जा हटाकर रोड का निर्माण किया, जिसमें समस्त पंचो के विशेष प्रयास रहे। सरपंच के साथ पंचायत के पांच पंच अनीता कुशवाहा, पंच सपना श्यामलाल, पंच रस्मी, संतु नीखरा, लक्ष्मी चौबे, पंच आशीष दुबे, छुटकी बाई कोल, पंच सुधीर कोल, पंच गोविंद रजक, पंच रानीबाई सचिव मुकेश चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में ग्रामीणों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

एक पेड़ से 10 लोगों को साल भर मिलती है ऑक्सीजन

कटनी। 05 जून को जन शिक्षण संस्थान परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की निदेशक श्रीमती लाली सिंह के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी को यह संदेश दिया कि पर्यावरण है हम सब की जान इसलिए करों इसका सम्मान, एक पेड़ सौ पुत्र समान अर्थात वर्तमान में पूरा विश्व कोविड-19 वैश्विक महामारी से पीड़ित है।

अतः उन्होंने कहा कि एक पेड़ 10 लोगों के लायक हमें ऑक्सीजन साल भर में देता है इसीलिए सॉसों का महत्व समझिये और पुनः सभी से अनुरोध किया कि आज एक पेड़ अवश्य लगाइयें। धरती से मिट्टी, नदी से पानी, सूरज से अग्नि, पहाड़ों से स्थिरता और हवा से प्राणवायु लेकर ईशवर ने इंसान बनाया। हमारी जिन्दगी पर्यावरण के सांचे में ढलकर सवरी है पर्यावरण है तो हम है इसे बचाना खुद को बचाना है, उन्होंने कहा कि हम एक पेड़ लगाकर एक टन कार्बन-डाइआक्साइड कम कर सकते है। जन शिक्षण संस्थान, कटनी में गुडहल, ब्रायोफिलम, कनेर, तुलसी आदि पौधों का वृक्षारोपण किया गया एवं कटनी जिले के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों में वृक्षारोपरण कार्यक्रम अनुदेशक के द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु कार्यक्रम अधिकारी नित्यांशु गहरवार, सहायक कार्यक्रम अधिकारी सुधाकर सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक राहुल निषाद, कम्प्यूटर ऑपरेटर हेमन्त राज व एकांउटेट अखिलेश यादव लेखाकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाबा माधवशाह अस्पताल में पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परम श्रद्धेय हाजरा हजूर सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिबजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से बाबा माधवशाह अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण किया गया। उक्त अवसर पर जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्र, जिला पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा, अपर कलेक्टर रोहित सर, नगर पुलिस अधीक्षक शशिकांत शुक्ला, आयुक्त नगर निगम सतेंद्र सिंह धाकरे, माधवनगर थाना प्रभारी संजय दुबे के साथ पीताम्बर टोपनानी, रामचन्द्र रिझवानी, डा.राजपाल, डॉ बलदेव सिंह, डॉ.जी. सी.मोटवानी, मोहन लाधवानी, बब्बल कटारिया, जोधाराम जयसिंघानी, वरियल दास, अजय भेरवानी, अशोक वीरवानी, अशोक सेवलानी पहलाज चेतवानी, विष्णु वलेचा एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ हमारी भी उपस्थिति रही।

जेहादी हिंसा को लेकर कार्रवाई की मांग

कटनी। पश्चिम बंगाल में चुनाव उपरांत जेहादी हिंसा पर त्वरित कार्यवाही हेतु जिले के प्रबुद्ध नागरिक एवं विभिन्न समाज के प्रमुखों द्वारा राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें वहां की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारत की अखण्डता एवं संप्रभुता को खतरे में डालने वाले इस घटनाक्रम पर स्वतः संज्ञान में लें एवं निवेदन किया गया कि आप पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को अपने संवैधानिक अधिकारों के तहत निर्देशित करें कि यह राज्य सरकार को पीड़ित लोगों की भावनाओं से अवगत करावे। राज्यपाल अपने संवैधानिक अधिकार का उपयोग कर प्रदेश सरकार को निर्देशित करें कि वह दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करें । प्रभावित लोगों को शीघ्र न्याय दिलवाने के कार्य के साथ उचित मुआवजे की भी व्यवस्था करें साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु शीघ्र कठोर कदम उठायें, हिंसा की सभी घटनाओं की केन्द्रीय एजेंसी अथवा न्यायिक जांच हो। दोषियों तथा घटनाओं के पीछे लगी षड्यंत्रकारी शक्तियों ए संगठनों तथा व्यक्तियों की पहचान कर उन पर प्रकरण दर्ज किये जायें । इस ज्ञापन को प्रस्तुत करने सर्वश्री रवि नायक सेवानिवृत्त जिला सत्र न्यायाधीश, संतोष सिंह खालसा राष्ट्रीय महामंत्री सिख संगत, किशोर बगड़िया प्रतिष्ठित व्यवसायी, डॉ. अमित साहू शिशु रोग विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष सेवा भारती, मनीष गेई प्रतिष्ठित उद्योगपति, श्रीमती गीता जोशी पूर्व अध्यक्ष जायंट्स इंटरनेशनल फेडरेशन 7 डॉ.एके विश्वास बंगाली समाज सेवी, अमित कनकने जिला कार्यवाह, भगवान दास सिंह राठौर जिला संपर्क प्रमुख एवं अधिवक्ता, रंगेश गोयनका जिला प्रचार प्रमुख आदि की उपस्थिति रही ।

कैमोर में किसी बड़े पर्व जैसा मना पर्यावरण दिवस

रोपे गया पीपल, बरगद, महुआ, नीम और आम के पौधे

कैमोर। कोरोना की वैश्विक माहमारी के इस दौर में पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ी है।

इसका असर इस बार विश्व पर्यावरण दिवस पर देखने को मिला है। इसके पहले तक पर्यावरण दिवस पौधे रोपने के एक दो औपचारिक आयोजनों तक ही सिमट कर रह जाता था पर इस बार ऐसा नहीं रहा।

पर्यावरण दिवस इस बार उद्योग नगरी कैमोर में किसी पर्व की तरह मनाया गया। उद्योगों एवं सामाजिक संगठनों सहित व्यक्तिगत स्तर पर भी जगह जगह बड़े पैमाने पर न केवल पौधे रोपे गए बल्कि इन पौधों को सुरक्षित और संरछित रखने का संकल्प भी लिया गया।कोरोना महामारी के दौरान देश मे ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों को ध्यान में रखते हुए पीपल, बरगद, महुआ, नीम, आम जैसे वृक्षों के पौधे बहुतायत में रोपे गए।

तपस्या ग्रुप ने ली पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी

कैमोर में अनेक सामाजिक कार्यों एवं समाजसेवी गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले तपस्या ग्रुप ने पर्यावरण दिवस पर एवरेस्ट मैदान में पौधे रोप कर पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी गुरदीप सिंह बेदी, पार्षद संतोष केवट, गौ सेवक नीलेश रजक, तपस्या ग्रुप के संचालक मनीष नवैत, सुमित आर्या, अनिल सेन, बादल रजक सहित ग्रुप के अनेक सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तपस्या ग्रुप के संस्थापक मनीष नवैत ने बताया कि तपस्या ग्रुप द्वारा अपनी स्थापना के वर्ष से ही हर साल न केवल पर्यावरण दिवस पर पौधे रोपे जाते हैं बल्कि ग्रुप के सभी सदस्यों के जन्मदिन पर भी पौधे लगाने की परंपरा का पालन किया जा रहा। पिछले चार सालों में तपस्या ग्रुप ने जहां जितने पौधे रोपे वे सभी सुरक्षित हैं। ग्रुप द्वारा पौधों को बचाये रखने हर संभव प्रयास किये जाते हैं। ट्री गार्ड लगाने के अलावा समय समय पर पानी और खाद डालकर पौधों को पूरी खुराक दी जाती है ताकि उनके विकास में कमी न हो। मनीष ने यह भी बताया कि अगर कोई अन्य संगठन भी उन्हें पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी देना चाहे तो उनका ग्रुप यह जिम्मेदारी सहर्ष स्वीकार करने को तैयार है।

आर एस एस ने लोगों को बताया पर्यावरण का महत्व

देश की सबसे बड़े सामाजिक संगठन आर एस एस की ओर से भी पर्यावरण दिवस पर नगर कार्यवाह विष्णु चतुर्वेदी के नेतृत्व में पौधे रोपे गए साथ ही बस्तियों में लोगों से संपर्क कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर शिव सिंह ठाकुर, राजकुमार गौतम, लवकुश कोल, तुलसीराम दुबे, विजय दीक्षित, ध्रुव चतुर्वेदी आदि सेवा भारती के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एसीसी ने अमहटा में किया वृहद पौधरोपण

एसीसी कैमोर के डायरेक्टर प्लांट के आर रेड्डी के निर्देशन में सी इस आर परियोजना के तहत अमहटा में सौ से भी अधिक पौधे आम, नीम, पीपल, बरगद, सहजन, महुआ आदि के रोपे गए जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कम्पनी के पर्यावरण अधिकारी को सौंपी गई। एसीसी के पर्यावरण अधिकारी सुरेश पटेल के नेतृत्व में भी कैमोर एवं अन्य स्थानों पर पौधे रोपे गए। इस अवसर पर अमहटा प्रोजेक्ट हेड आर बरनिथरन, हेड एच आर एच पी सिंह, सुधाकर सिंह, माइंस महाप्रबंधक मनोज शंकर सिंह, सतेन्द्र परिहार, सी इस आर हेड एनेट विश्वास आदि की उपस्थिति रही। श्रीमती विश्वास ने बताया कि सी एस आर परियोजना के तहत आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आजीविका, कृषि विकास, कौशल विकास और जल संवर्धन जैसे अनेक कार्य सफलता पूर्वक संचालित किए जा रहे जिनका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा।

भाजपा महिला मंडल की मातृशक्ति ने भी रोपे पौधे

नगर परिषद की पार्षद एवम महिला मोर्चा कैमोर मंडल की अध्यक्ष शांति यादव के नेतृत्व में संगठन की सदस्याओं द्वारा पर्यावरण दिवस पर छायादार एवं फलदार पौधे रोपकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ

यश भारत

कलर क्लासीफाइड

1 दिन	-	150/-
3 दिन	-	250/-
7 दिन	-	500/-
15 दिन	-	1200/-
30 दिन	-	1800/-

साईज- 5x1

आवश्यकता, खरीदना-बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें

बुकिंग हेतु संपर्क करें

यश भारत
कचहरी चौक, कटनी

फोनः- 07622-230033
Email :- katni@yashbharat.com

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कोरोना का साया

9 अप्रैल से बंद हैं आंगनबाड़ी केन्द्र : महामारी के चलते प्रारंभिक शिक्षा से वंचित हुए नौनिहाल

यश भारत
खबर विशेष

कटनी। कोरोना संक्रमण का असर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर भी देखने को मिल रहा है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से प्री-नर्सरी स्कूल संचालित करने के निर्देश दिए गए थे। जिले में भी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जा रही थी। जिससे स्कूलों में एडमीशन के पहले बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। आंगनबाड़ी केन्द्रों में सप्ताह के प्रत्येक दिन कई तरह की गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं, लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते इन गतिविधियों पर 9 अप्रैल से ही रोक लगी हुई है।

विदित हो कि कोरोना संक्रमण के चलते 9 अप्रैल से जिले में लॉकडाउन लगाया गया था। जो कि एक जून की सुबह 6 बजे तक लागू रहा। अब अनलॉक होने के बाद भी अभी तक राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ियों को खोलने के निर्देश नहीं दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास के जिला परियोजना अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से टीकाकरण दिवसों पर बच्चों का टीकाकरण और घर-घर रेडी टू ई (सूखा राशन) वितरित किया जा रहा है। संक्रमण के चलते घर पर ही बच्चों को पोषण आहार दिया जा रहा है। रेडी टू ईट पहुंचाने का जिम्मा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकिाओं को सौंपा गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से सप्ताह में कई तरह की गतिविधियां संचालित की जाती है लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते इन सभी गतिविधियों पर रोक लगी हुई है लेकिन आवश्यक और जरूरी कार्यक्रमों को पूरी सुरक्षा और सावधानी के साथ संचालित किया जा रहा है।

महीने में एक बार टीकाकरण दिवस

महिला एवं बाल विकास विभाग कटनी के जिला परियोजना अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में महीने में एक बार प्रत्येक मंगलवार या शुक्रवार को टीकाकरण शिविर आयोजित किया जाता है। कोरोना संक्रमण के चलते बच्चों को केन्द्र में बुलाकर टीका लगाया जाता है और उनका वजन लिया जाता है जो बच्चे छूट जाते हैं उनके घर जाकर वजन लिया जाता है।

घर-घर पहुंचाया जा रहा रेडी टू ईट

गौरतलब है कि जिले के आधा दर्जन विकासखंडों में 1500 से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्र हैं, जहां राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ हर सप्ताह कई तरह की गतिविधियां अंजाम दी जाती है। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की दस्तक के बाद से ही आंगनबाड़ियों में इन गतिविधियों में रोक लगी हुई है। बताया जाता है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले बच्चों को पौष्टिक आहार भी वितरित किया जाता है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा घर-घर जाकर सूखा राशन वितरित किया जा रहा है। डीपीओ श्री सिंह ने बताया कि एक घर में एक महीने में चार पैकिट दिए जाते हैं, इसके अलावा सप्ताह में जिन दिवसों में टीकाकरण किया जाता है, उन दिवसों में बच्चों को बुलाकर टीकाकरण किया जाता है। इसके अलावा बच्चों की मॉनीटरिंग की भी जाती है, साथ ही उनका वजन भी लिया जाता है।

क्या है विभाग का उद्देश्य

आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती, धात्री महिलाओं तथा 0-6 वर्ष के बच्चों को स्वास्थ्य व पोषण सेवाएं प्रदान की जाती है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास तथा स्वास्थ्य व पोषण की स्थिति में सुधार लाना विभाग का उद्देश्य है। महिलाओं ओर बच्चों की जीवन रक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक आर्थिक विकास के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा इन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के चलते कुपोषित बच्चों की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है।

इनका कहना है

कोरोना संक्रमण के चलते विगत 9 अप्रैल से आंगनबाड़ी केन्द्रों को बंद रखा गया है। शासन के आगामी आदेश तक आंगनबाड़ी केन्द्र बंद रहेंगे। इस दौरान सभी हितग्राहियों को रेडी टू ईट दिया जा रहा है। प्रत्येक सप्ताह एक किलोग्राम यानि 4 पैकिट 15-15 दिवस पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रदान किया जाता है। इनके द्वारा हितग्राही को घर-घर वितरित किया जाता है। इसमे चावल-दाल (खिचड़ी), दलिया (दलिया-दाल) एवं पंजीरी, सत्तु शामिल है।

-नयन सिंह, डीपीओ
महिला एवं बाल विकास

2 लाख के करीब पहुंच रहा वैक्सीनेशन का आंकड़ा

संक्रमण में कमी आने के बाद वैक्सीन लगवाने लोगों की लगी कतार

कटनी। जिले में वैक्सीनेशन का आंकड़ा दो लाख के करीब पहुंच रहा है। 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान के तहत कटनी जिले में अब तक एक लाख 84 हजार 106 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। जल्द ही यह आंकड़ा दो लाख को पार कर जाएगा, हालांकि जिले की आबादी के हिसाब से वैक्सीनेशन का प्रतिशत काफी कम है लेकिन विभागीय अधिकारियों की मानें तो अगले कुछ दिनों में वैक्सीनेशन की रफ्तार में तेजी देखने को मिलेगी। अप्रैल और मई के महीने में कोरोना संक्रमण के दौरान वैक्सीन लगवाने के प्रति जहां लोगों में उदासीनता देखी जा रही थी तो वहीं अब संक्रमण की रफ्तार में कमी आने के बाद केन्द्रों में टीका लगवाने के लिए लोगों की कतार देखी जा रही है। पुरानी कचहरी परिसर में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर में सुबह 10 बजे से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, हालांकि इस दौरान सोशल डिस्टेसिंग भी नदारत दिखी। आज जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 36 केन्द्रों पर टीकाकरण शिविर आयोजित किए गए हैं, जहां 5600 लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

45 प्लस के ऊपर सवा लाख लोगों को लगा टीका

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया था। पहले दौर में हेल्थ केयर वर्कर्स और फ्रंट लाइन कोरोना वारियर्स को वैक्सीन लगाई गई थी। इसके बाद सरकार के निर्देश पर 60 साल से ऊपर और 45 साल से ऊपर वालों का टीकाकरण किया गया। जिले में अब तक 45 साल से अधिक उम्र वाले 1 लाख 25 हजार 172 लोगों को टीका लगाया जा चुका है। इसी तरह 1 मई से 18 से 44 वर्ष की उम्र वालों का वेक्सीनेशन किया जा रहा है। अब तक 38 हजार 939 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। जिले में 19 हजार 995 हेल्थ केयर वर्कर्स और फ्रंट लाइन कोरोना वारियर्स को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

इनका कहना है

कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम होने और एक जून से अनलॉक होने के बाद टीकाकरण अभियान में तेजी आई है। आज जिले के 36 केन्द्रों पर 5600 डोज लगाए जा रहे हैं। इसमे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य एवं अन्य केन्द्र शामिल है। सभी केन्द्रों पर ऑनस्पॉट यानि आधार कार्ड लेकर जाने पर 18 प्लस और 45 प्लस को वैक्सीन लगाई जा रही है, इनमे केवल दो केन्द्रों पर को वैक्सीन और बाकी स्थानों पर कोवीशील्ड लगाई जा रही है।

-डॉ. समीर सिंघई, जिला टीकाकरण अधिकारी

हफ्ते में दूसरी बार जीरो पॉजीटिव

अब 20 एक्टिव केस, आज एक भी मरीज डिस्चार्ज नहीं

कटनी। एक जून से अनलॉक होने के बाद इस हफ्ते दूसरी बार जीरो पॉजीटिव केस आए हैं। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर अब पूरी तरह से कमजोर पड़ती हुई दिख रही है। अप्रैल और मई की तुलना में जून में अब हर दिन बड़ी राहत मिल रही है। संक्रमण में कमी आने के बाद अब वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि अब बड़ी संख्या में लोग टीकाकरण केन्द्रों पर वैक्सीन लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सप्ताह के पहले दिन आज सोमवार को जिले में एक भी पॉजीटिव केस नहीं मिला है। इस हफ्ते दूसरी बार पॉजीटिव केस आंकड़ा जीरो रहा है। इसके पहले 3 जून को एक भी पॉजीटिव केस नहीं मिला था। बताया जाता है कि एक जून से लेकर अब तक 11 पॉजीटिव केस मिल चुके हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि 5 जून को 757 लोगों के सेम्पल लेते हुए सुप्राटेक अहमदाबाद की इंदौर लैब में जांच के लिए भेजे गए थे, जिसमे से एक भी पॉजीटिव केस नहीं मिला है, इसी तरह 6 जून को रेपिड एंटीजन किट से 537 लोगों की जांच की गई थी। इसमे भी कोई संक्रमित नहीं निकला, हालांकि पिछले 24 घंटे में एक भी मरीज को डिस्चार्ज नहीं किया गया है। अब तक तक कुल संक्रमित मरीजों 9356 में से 9227 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। जिले में अब 20 एक्टिव केस हैं, जिसमे से 7 जिला चिकित्सालय, 2 निजी चिकित्सालय एवं 11 मरीज होम आईसोलेशन में उपचाररत हैं। जिले में अब तक एक लाख 37 हजार 268 लोगों की जांच की जा चुकी है। जिसमे से 1 लाख 20 हजार 692 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

लॉकडाउन में चोरी, अनलॉक में खुलासा

दो गिरफ्तार, 60 हजार के जेवर बरामद, रंगनाथ नगर थाना पुलिस को मिली सफलता

कटनी। जिले में अनलॉक का इंतजार चोरों को भी था। कोरोना की दूसरी लहर में लगाए गए कोरोना कर्फ्यू के अनलॉक वन के बाद बीते एक सप्ताह में चोरी की पांच वारदातों को बदमाश अंजाम दे चुके हैं। चोरी की वारदात में पुलिस की कार्रवाई मामला दर्ज करने तक ही सीमित है। वहीं कोरोना कर्फ्यू के दौरान मई महीने में एक सूने घर का ताला तोड़कर 60 हजार के आभूषण चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। पकड़े गए आरोपियों रंगनाथ थाना क्षेत्र निवासी देवा वंशकार और अमर वंशकार है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से चोरी किए गए आभूषण भी जप्त कर लिए हैं। जिसकी कीमत लगभग 60 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि लखेरा निवासी विमला यादव 15 मई को अपने मायके गई थी। 24 मई को अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर घर में रखे एक सोने का मंगलसूत्र, तीन नग सोने के लॉकेट सहित अन्य सोने के आभूषण चोरी कर लिए थे। चोरी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रंगनाथ मंदिर के पीछे मैदान में दो युवक सोने के आभूषण बेचने की चर्चा कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल वहां पर पहुंची और दोनों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युवकों द्वारा 24 मई की रात चोरी की वारदात को अंजाम देने की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए आभूषण बरामद कर लिए गए हैं। आरोपियों को पकड़ने में रंगनाथ थाना प्रभारी नितिन कमल, सहायक उपनिरीक्षक मथुरा प्रसाद, प्रधान आरक्षक लालजी यादव, गणेश सिंह की भूमिका रही।

6 दिनों में चोरी की 5 वारदातें

कोरोना कर्फ्यू की दूसरी लहर में 9 अप्रैल से लॉकडाउन किए गए जिले को पाबंदियों के साथ 1 जून से अनलॉक किया गया है। अनलॉक के बाद अब तक 6 दिनों में पांच चोरी की वारदातों को चोरों ने अंजाम दिया है। सबसे अधिक चोरी की वारदातें मोटर साइकिलों की हो रही है। मोटर साइकिल चोरी कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी हुई है। कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी चोर अनलॉक थे। 2 जून को बहोरीबंद थाना अंतर्गत स्लीमनाबाद तिराहा से अज्ञात चोरों ने विजय गुप्ता की मोटर साइकिल चोरी कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 3 जून को बड़वारा थाना अंतर्गत मिडरा गांव निवासी शिवकुमार दुबे के घर पर अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े धावा बोला और अंदर से 85 हजार रूपए कीमती जेवर व अन्य सामान लेकर चंपत हो गए। इसमें दो मोबाइल, सोने-चांदी के आभूषण शामिल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 4 जून को बहोरीबंद थाना अंतर्गत बहोरीबंद ओपन कैंप के पास से उदल चौधरी की मोटर साइकिल चोरी कर ली गई। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। 4 जून को कोतवाली थाना अंतर्गत रामनिवास सिंह वार्ड से शहजाद खान का ऑटो रिक्शा को घर के बाहर से अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ट्रक बेचना है

MP-20 पासिंग 2007 टाटा मॉडल काअच्छी कंडीशन का 10 चक्का ट्रक बेचना है। इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें- 8878603799

किराए से देना है

बस स्टैंड से 500 मीटर मैहर रोड पर चौरसिया मैरिज गार्डन के ठीक सामने 17×40 की दुकान किराये पर उपलब्ध हैं। संपर्क करें- 9424849034, 7052191771,9425155542

कोरोना की दूसरी लहर में बंद हुई ट्रेनों को फिर शुरू करने की तैयारी

पमरे ने भेजा रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव, चित्रकूट एक्सप्रेस सहित शुरू हो सकती हैं सभी इंटरसिटी एक्सप्रेस

कटनी। कोरोना काल के दौरान बंद पड़ी ट्रेनों को फिर से चलाकर रेलवे यात्रियों को राहत देने जा रहा है। पहले चरण में जबलपुर से लखनऊ के बीच कटनी होकर चलने वाली सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन चित्रकूट एक्सप्रेस फिर शुरू होगी। इसके साथ ही जबलपुर-इंदौर ओवर नाइट एक्सप्रेस को भी दोबारा चलाया जाएगा। जबलपुर रेल मंडल ने दोनों ट्रेनों को चलाने के लिए रेलवे बोर्ड से स्वीकृति मांगी है। मंडल ने ट्रेन चलाने का प्रस्ताव तैयार कर पश्चिम मध्य रेलवे जोन के माध्यम से बोर्ड को भी भेज दिया हैं। संभावना है कि इस सप्ताह तक इन ट्रेनों को जबलपुर से फिर चलाना शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही जबलपुर से रीवा, सिंगरौली और अंबिकापुर जाने वाले यात्रियों के लिए भी अच्छी खबर है। इस रूट पर चलने वाली इंटरसिटी ट्रेनों को दोबारा शुरू किया जा रहा है।

अनलॉक में बढ़ने लगा यात्री दबाव

कोरोना काल की दूसरी लहर जैसे ही धीमी पड़ी, ट्रेनों में एक बार फिर यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। जिन रूट की ट्रेनों को बंद किया गया, वहां लंबी दूरी की ट्रेनें चल रही थीं, जिनमें अब यात्रियों की तादात बढ़ने लगी है। अप्रैल अंत से मई माह के दौरान जहां यात्रियों की संख्या 10 से 15 फीसदी हो गई थी, वहीं एक जून के बाद ट्रेनों में 65 से 70 फीसदी तक संख्या बढ़ गई है। कमर्शियल विभाग लगातार यात्रियों की संख्या पर नजर रखे हुए है।

यात्री दबाव कम होने पर बंद हो गई थी कई ट्रेनें

अप्रैल अंत से लेकर मई माह के अंत तक ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की लगातार संख्या काम हो रही थी। हालात इतने खराब हो गए थे कि अप्रैल माह के दौरान ट्रेनों से महज पांच से दस यात्री ही सफर कर रहे थे। यही हाल चित्रकूट एक्सप्रेस के अलावा रीवा, सिंगरौली और अंबिकापुर इंटरसिटी का था। इस वजह से जबलपुर रेल मंडल के कमर्शियल विभाग ने इन ट्रेनों को बंद कर दिया था।

अभी भी बंद हैं कई ट्रेनें

कोरोना की दूसरी लहर आने पर रेलवे ने कुछ ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया था जो अभी भी बंद हैं। ऐसी ट्रेनों में जबलपुर-हबीबगंज इंटरसिटी, जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस, जबलपुर-नागपुर अमरावती एक्सप्रेस, जबलपुर-लखनउ चित्रकूट एक्सप्रेस, जबलपुर-रीवा इंटरसिटी, जबलपुर-सिंगरौली इंटरसिटी, जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी, जबलपुर-पुणे स्पेशल, जबलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, जबलपुर-मुंबई स्पेशल, जबलपुर-हावड़ा हमसफर, जबलपुर-हरिद्धार स्पेशल शामिल है।

आधा दर्जन ट्रेनों को मिल सकती है हरिझंडी

अनलॉक होने के बाद रेलवे के द्वारा फिर से ट्रेनों का परिचालन करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए रेलवे बोर्ड को मंजूरी के लिए प्रस्ताव भी भेजे जा रहे हैं। जबलपुर रेल मंडल के द्वारा पश्चिम मध्य रेल जाने के माध्यम से जिन ट्रेनों का परिचालन पहले शुरू करने का प्रस्ताव भेजा गया है। उसमें जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस, जबलपुर-नागपुर अमरावती एक्सप्रेस, जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस, जबलपुर-रीवा इंटरसिटी, जबलपुर-सिंगरौली इंटरसिटी और जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी* । फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)